An investor education initiative by
LIC MUTUAL FUND

SIP के साथ अपने वित्तीय भविष्य पर पूरा नियंत्रण रखें

लगातार और अनुशासन के साथ निवेश करने से अक्सर सही समय के इंतजार और भाग्य के मुकाबले बेहतर परिणाम मिलते हैं। बस यहीं पर **सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान** (SIP) काम आता है। चाहे आप एक अनुभवी निवेशक हों या आप अभी-अभी शुरु कर रहे हों, लंबे वक्त में पैसा बनाने के लिए SIP एक शक्तिशाली साधन हो सकता है।

सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (SIP) क्या है?

SIP म्यूचुअल फंड में निवेश करने का एक आसान तरीका है जिसमें नियमित समय के अंतराल पर एक निश्चित राशि का योगदान किया जाता है। इसे सेहत से जुड़ी दिनचर्या की तरह मान लें: जिस तरह रोजाना कसरत करने से ताकत बढ़ती है, उसी तरह SIP समय के साथ आपके पैसों को लगातार बढ़ाते रहते हैं।

SIP कैसे काम करता है?

1. **अपने आप काम करता है और कोई परेशानी नहीं**
   एक बार जब आप SIP करना शुरू करते हैं, चुनी गई राशि आपके बैंक अकाउंट से अपने आप से डेबिट हो जाती है और बिना किसी इंसानी दखल के निर्धारित अंतराल पर आपकी द्वारा चुनी गई म्यूचुअल फंड योजना में निवेश की जाती है।

2. **यूनिट्स का जमा होना**
   हर एक योगदान से उस वक्त के मौजूदा बाजार मूल्य पर म्यूचुअल फंड योजना की यूनिट्स खरीदी जाती हैं। समय के साथ, ये यूनिट्स आपके द्वारा चुने गए निवेश अंतराल पर जमा होती जाती हैं।

3. **बाजार उतार-चढ़ाव के दौरान लागत का औसत निकालना**
   SIP बाजार के उतार-चढ़ाव के दौरान निवेश का एक प्रभावी साधन हो सकता है। जब फंड की नेट एसेट वैल्यू (NAV) कम होती है, तो आप उतने ही पैसों में ज्यादा यूनिट खरीदते हैं; और जब यह ज्यादा होती है, तो आप कम खरीदते हैं। इससे समय के साथ आपकी लागत का औसत निकल आता है।

आइए इसे एक उदाहरण के साथ देखते हैं

मान लीजिए कि आप हर महीने SIP के जरिए एक इक्विटी म्यूचुअल फंड में ₹5,000 का निवेश करने का फैसला करते हैं। नीचे दिया गया उदाहरण दिखाता है कि बाजार में होने वाले उतार-चढ़ाव यूनिट्स के जमा होने पर और इसकी वजह से हर यूनिट की औसत लागत पर भी पर कैसे असर डाल सकते हैं।

	महीना 1	महीना 2	महीना 3
NAV	₹50	₹40	₹60
आवंटित यूनिट	₹5,000 ÷ ₹50 = 100 यूनिट	₹5,000 ÷ ₹40 = 125 यूनिट	₹5,000 ÷ ₹60 = 83.33 यूनिट

कुल निवेश	जमा हुई कुल यूनिट	प्रति यूनिट औसत लागत
₹15,000	308.33	₹48.65 (₹15,000 ÷ 308.33)

जैसा कि आप देख सकते हैं, **भले ही NAV में उतार-चढ़ाव आया हो**, लेकिन आपकी **प्रति यूनिट की औसत लागत** (₹48.65) **मौजूदा NAV (₹60) से कम है।**

Mutual Fund investments are subject to market risks, read all scheme related documents carefully.
म्यूचुअल फंड निवेश बाज़ार जोखिमों के अधीन हैं, योजना से जुड़े सभी दस्तावेज़ ध्यान से पढ़ें।

SIP के लाभ

रुपये की लागत का औसत करना:
नियमित रूप से निवेश करें, कीमतें कम होने पर ज्यादा खरीदें, और ज्यादा होने पर कम खरीदें, इस तरह से औसत लागत कम हो जाएगी।

लक्ष्य-आधारित निवेश:
SIP को घर खरीदने, शिक्षा या रिटायरमेंट जैसे लक्ष्यों के साथ तालमेल में रखें।

चक्रवृद्धि ब्याज की शक्ति:
रिटर्न को दोबारा निवेश करने से आपका पैसा और बढ़ सकता है।

सभी निवेशकों के लिए उपयुक्त:
कम जोखिम और ज्यादा जोखिम लेने वाले दोनों तरह के निवेशकों के लिए विकल्प।

सुविधाजनक और पूरी तरह ऑटोमैटिक:
यह ऑटो-पायलट मोड पर चलता है, इसलिए निवेश में कोई चूक नहीं होती।

व्यवहार संबंधी अनुशासन:
बाजार में उतार-चढ़ाव के दौरान जल्दबाजी में फैसले लेने से रोकता है।

बदलाव की सहूलियत:
अपनी वित्तीय ज़रूरतों के हिसाब से कभी भी शुरू करें, बंद करें या बदलाव करें।

SIP शुरू करने का तरीका

1. KYC पूरी करें:
म्यूचुअल फंड निवेश के लिए एक बार की आवश्यकता।

2. अपना लक्ष्य और निवेश की अवधि तय करें:
अपना लक्षित उद्देश्य और समय-सीमा को जानें।

3. निवेश की राशि तय करें:
आपके वित्तीय लक्ष्य के आधार पर।

4. फंड और फ़्रीक्वेंसी चुनें:
उम्र, जोखिम लेने की क्षमता, निवेश की अवधि जैसे कारकों के आधार पर रोजाना, मासिक, तिमाही, या जैसा फंड हाउस द्वारा प्रस्तावित हो।

5. नज़र रखें और बदलाव करें:
स्टेटमेंट की समीक्षा करें और जैसे-जैसे आय बढ़े अपनी SIP बढ़ाएं।

SIP पैसा बनाने के लिए एक अनुशासित, सुव्यवस्थित तरीका देते हैं। नियमित निवेश, लागत औसतन और चक्रवृद्धि ब्याज का लाभ उठाकर, आप बाजार उतार-चढ़ाव से निपट सकते हैं और अपने वित्तीय लक्ष्यों को पूरा कर सकते हैं। याद रखें, वित्तीय सफलता का सफर लंबा होता है, छोटा नहीं।

आज ही अपना SIP शुरू करें, और इसे लगातार जारी रखें!

म्यूचुअल फंड निवेशकों को अपने ग्राहक को जानें (KYC) प्रक्रिया पूरी करने की जरूरत है, जिसे किसी भी AMC की शाखा कार्यालय या आधिकारिक स्वीकृति केंद्र पर आवश्यक दस्तावेजों के साथ भरा हुआ KYC फॉर्म जमा करके किया जा सकता है। KYC से जुड़ी दस्तावेजी आवश्यकताओं, पते, फोन नंबर, बैंक विवरण आदि में परिवर्तन की प्रक्रिया के बारे में जानने के लिए कृपया https://www.licmf.com/kyc-redressal देखें। निवेशकों को सलाह दी जाती है कि वे केवल SEBI में पंजीकृत म्यूचुअल फंडों में ही निवेश करें, जिसकी विस्तृत जानकारी SEBI की वेबसाइट https://www.sebi.gov.in/intermediaries.html पर 'मध्यस्थ/बाजार अवसंरचना संस्थान' अनुभाग के अंतर्गत सत्यापित की जा सकती है। किसी भी शिकायत या समस्या के निवारण के लिए, निवेशक संबंधित AMC के निवेशक संबंध अधिकारी से संपर्क कर सकते हैं और यदि वे AMC द्वारा दिए गए समाधान से संतुष्ट न हों, तो वे SEBI SCORES पोर्टल (https://scores.sebi.gov.in/) पर शिकायत दर्ज कराकर SEBI से संपर्क कर सकते हैं और/या ऑनलाइन विवाद समाधान पोर्टल (https://smartodr.in/login) के माध्यम से शिकायत को आगे बढ़ा सकते हैं।

Mutual Fund investments are subject to market risks, read all scheme related documents carefully.
म्यूचुअल फंड निवेश बाज़ार जोखिमों के अधीन हैं, योजना से जुड़े सभी दस्तावेज़ ध्यान से पढ़ें।